

भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 1149  
शुक्रवार, 28 जून, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए  
मानसून वर्षा का आंकलन

1149. श्री चुन्नी लाल साहू:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपाकरेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने मौजूदा वर्ष के दौरान मानसून के औसत से कम होने का आंकलन किया है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, देशके वह भाग कौन से हैं जहां जुलाई माह के दौरान मानसून का आंकलन औसत से नीचे आंका गया है;
- (ग) क्या सरकार ने वर्षा में कमी के कारणोंका विश्लेषण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सूखे की संभावना के कारण किसानों के राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार किस प्रकार प्रभावित होने की संभावना है; और
- (घ) कमजोर मानसून की स्थिति में जल आपूर्तिके वैकल्पिक साधनों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर  
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री  
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

- (क) जी नहीं, सरकार ने चालू वर्ष के दौरान मानसून के औसत से कम रहने का अनुमान नहीं लगाया है। 15 अप्रैल को जारी किए गए प्रथम चरण के दीर्घावधि पूर्वानुमान तथा 31 मई, 2019 को जारी किए गए द्वितीय चरण के अद्यतन दीर्घावधि पूर्वानुमान यह दर्शाते हैं कि पूरे देश के लिए वर्ष 2019 में मानसून ऋतुकालिक वर्षा के लगभग सामान्य रहने की संभावना है। मात्रात्मक रूप से, वर्ष 2019 में मानसून ऋतुकालिक वर्षा,  $\pm 5\%$  की मॉडल त्रुटि के साथ दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 96% रहने की संभावना है; पूरे देश में इस अवधि में ऋतुकालिक वर्षा का दीर्घावधि औसत 89 सेमी है। इस संबंध में आईएमडी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति की प्रतियां सुलभ संदर्भ के लिए अनुलग्नक के रूप में संलग्न हैं।
- (ख) माह जुलाई के दौरान पूरे देश के लिए मासिक वर्षा 9% की मॉडल त्रुटि के साथ दीर्घावधि औसत (एलपीए) की 95% रहने की संभावना है। जुलाई के मासिक पूर्वानुमान में देश के विभिन्न हिस्सों का पूर्वानुमान शामिल नहीं है।
- (ग) प्रश्न नहीं उठता है। मौजूदा कमजोर अल-नीनो स्थितियाँ कुछ समय तक जारी रहने और उसके बाद मानसून ऋतु की दूसरी छमाही के दौरान इसके तटस्थ ईएनएसओ स्थितियों में परिवर्तित हो जाने की संभावना है। इसके अलावा, हिंद महासागर द्विध्रुव की प्रत्याशित सकारात्मक स्थितियाँ, प्रतिकूल अल-नीनो स्थितियों द्वारा नकारात्मक पहलुओं (यदि कोई हों) की भरपाई हो जाने की संभावना है, जिससे पूर्वानुमान के अनुसार ही देश में ऋतुकालिक वर्षा के सामान्य के निकट रहने की संभावना है।
- (घ) प्रश्न नहीं उठता है।



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम.ओ.ई.एस.)  
भारत मौसम विज्ञान विभाग  
दक्षिण पश्चिम मानसून वर्षा 2019 का दीर्घावधि पूर्वानुमान

मुख्य अंश

- (क) समूचे देश में दक्षिण-पश्चिमी मानसून की ऋतुनिष्ठ (जून से सितम्बर) वर्षा लगभग सामान्य रहने की संभावना है।
- (ख) मात्रात्मक रूप से, 5% की मॉडल त्रुटि के साथ मानसून की ऋतुनिष्ठ (जून से सितम्बर) वर्षा दीर्घावधि औसत के.....रहने की संभावना है। 1951-2000 तक की अवधि के लिए समूचे भारत में ऋतुनिष्ठ वर्षा का दीर्घावधि औसत 89 सेमी है।
- (ग) मानसून ऋतु के दौरान अल निनो की स्थितियां कमजोर रहेंगी और ऋतु के उत्तरार्ध में तीव्रता कम रहेगी। प्रशांत (अल निनो/ला निना) और भारतीय महासागरों (हिंद महासागर द्विध्रुव-आईओडी) में समुद्र सतह तापमान (एसएसटी) की स्थितियों को लगातार निगरानी किया जा रहा है जो भारतीय मानसून पर तीव्र प्रभाव डालने के लिए जानी जाती हैं। समग्र रूप से, मॉनसून ऋतु 2019 के दौरान देश में सुवितरित वर्षा होने की संभावना है जो आगामी खरीफ ऋतु के दौरान देश के किसानों के लिए लाभकारी होगी।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) जून 2019 के पहले सप्ताह के दौरान मानसून 2019 के दूसरे चरण का पूर्वानुमान जारी करेगा।



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम.ओ.ई.एस.)  
भारत मौसम विज्ञान विभाग  
दक्षिण पश्चिम मानसून वर्षा 2019 का दीर्घावधि पूर्वानुमान अपडेट

मुख्य अंश

- (क) समूचे देश के लिए वर्ष 2019 की दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु (जून-सितम्बर) की वर्षासामान्य (दीर्घावधि औसत के 96 से 104 प्रतिशत) होने की संभावना है।
- (ख) मात्रात्मक रूप से, समूचे देश के लिए मानसून ऋतु की वर्षा दीर्घावधि औसत (एलपीए) के 96 प्रतिशत होने की संभावना है। इसमें  $\pm 4$  प्रतिशत की मॉडल त्रुटि हो सकती है।
- (ग) क्षेत्रवार, मानसून ऋतु की वर्षा उत्तर पश्चिम भारत में दीर्घावधि औसत के 94 प्रतिशत, मध्य भारत में 100 प्रतिशत, दक्षिणी प्रायद्वीप में 97 प्रतिशत तथा पूर्वोत्तर भारत में 91 प्रतिशत होने की संभावना है। इसमें  $\pm 8$  प्रतिशत की मॉडल त्रुटि हो सकती है।
- (घ) समूचे देश के लिए जुलाई माह में दीर्घावधि औसत (एलपीए) के 95 प्रतिशत तथा अगस्त माह में 99 प्रतिशत वर्षा होने की संभावना है। इसमें  $\pm 9$  प्रतिशत की मॉडल त्रुटि हो सकती है।
- (ङ) प्रशांत महासागर पर वर्तमान कमजोर एल नीनो की स्थिति एलपीए ऋतु के दौरान जारी रहने की संभावना है साथ ही इन स्थितियों की मॉनसून ऋतु के उत्तरार्ध के दौरान तटस्थ ईएनएसओ में बदलने की भी संभावनाएं हैं।

आईएमडी जुलाई 2019 के अंत में ऋतु के दूसरे अर्द्ध के दौरान का वर्षा पूर्वानुमान जारी करेगा।